डॉ. सविता – राष्ट्रीय संयोजिका, महिला प्रभाग
वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका , आबू
संयोजिका, मानसरोवर परिसर कार्यक्रम

डॉ. सविता ने राजस्थान यूनिवर्सिटी से अपनी मेडिकल की पढ़ाई पूरी की। प्रारंभ में, आपने उदयपुर , कोटा, डूंगरपुर में कार्य किया। वर्ष 1991 में, आप ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, माउंट आबू में चिकित्सा अधिकारी के रूप में नियुक्त हुईं और वर्ष 2000 तक अपनी सेवाएं दीं और फिर वर्ष 2000 से वर्ष 2007 तक दादी प्रकाशमणि जी (पूर्व मुख्य प्रशासिका ब्रह्माकु मारीज़) की व्यक्तिगत चिकित्सक एवं सहायक रही | आपको बचपन से ही आध्यात्म में गहरी रुचि रही है| वर्ष 1974 के दौरान आप ब्रह्माकुमारीज़ के संपर्क में आईं। आपने वर्ष 1989 में समर्पित रूप से मानव जाति की सेवा के लिए आध्यात्म को अपनाया | आप में स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता के बारे में लोगों में जागरूकता लाने में बहुत रुचि है। वर्तमान में आप महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका है |

आपने भारत के विभिन्न हिस्सों में और विदेशों में यू.के., यू.एस.ए, जापान, चीन, हांगकांग, यूएई, वेनेजुएला, मलेशिया, कैरिबियन, फ्रांस, जर्मनी, पोलैंड, स्वीटजरलैंड, थाईलैंड, वियतनाम, म्यांमार, रूस देशों में स्वस्थ जीवन शैली और मेडिटेशन के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए भ्रमण किये है। आप महिला प्रभाग के राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों का संयोजन एवं आयोजन करती है । वर्ष 2001 को, जब भारत सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के वर्ष के रूप में घोषित किया गया तब आपने "अखिल भारतीय महिला आध्यात्मिक सशक्तिकरण अभियान"में भाग लिया जोकि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए आयोजित किया गया था । वर्ष 2014 में आपने राष्ट्रीय स्तर के अभियान "नारी सुरक्षा, हमारी सुरक्षा " को कोआर्डिनेट किया जोकि महिलाओं के खिलाफ होने वाली विभिन्न प्रकार की हिंसा के विरुद्ध जागरूकता लाने

के लिए, उनके जीवन को अधिक सुरक्षित एवं आत्म सम्मान संपन्न बनाने के लिए आयोजित किया गया था | वर्ष 2016-17 में आपने राष्ट्रीय अभियान "बेटी बचाओ - सशक्त बनाओ" कोआर्डिनेट किया जोकि बालिकाओं को बचाने, उन्हें शिक्षित करने एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से एवं आम जनता के बीच लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया |

आपने मेडिकल विंग द्वारा आयोजित स्वास्थ्य मेलों और अभियानों में अपनी सेवाएं दी | वर्ष 2009 में आपने "मेरा भारत, स्वस्थ भारत अभियान " में देहरादून से जयपुर तक भाग लिया।

इसके साथ आप एक वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका भी है और तनाव प्रबंधन स्वस्थ और प्रसन्न रहने की कला , meditation as medicene, क्रोध प्रबंधन, सकारात्मक चिंतन करने की कला, सम्बन्धों में समरसता, राजयोग मेडिटेशन, स्वसशक्तिकरण एवं महिला सशक्तिकरण आदि विषयों पर आप वक्तव्य देती हैं | आपने बिरला सीमेंट, श्री सीमेंट, ओएनजीजी, इफको, एलएंडटी मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों में, विभिन्न संगठनों में व्याख्यान दिए हैं और कार्यशालाएं आयोजित की हैं । रोटरी और लायंस क्लब, आर्मी, एयरफोर्स, नेवी, विभिन्न कॉलेजों, जेलों, आदि में आपने ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा आयोजित कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भी भाग लिया है।